of vulnerable groups such as pre-school children, pregnant women and nursing mothers.

कोनजेन्ट्रिक्स की पांच योजनाओं की स्वीकृति

3103. **श्री राघवजी:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने कोनजेन्ट्रिक्स की पांच योजनाओं को स्वीकृति दे दी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा इन योजनाओं को कब प्राप्त किया गया था;

(घ) इस मामले में किस प्रकार की जांच/संवीक्षा की गयी;

(ङ) स्वीकृति कब दी गयी;

(च) क्या यह सच है कि उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरी अनुसंधान को इस संबंध में एक विशेषज्ञ दल को नियुक्त करके इन पांचों योजनाओं के पर्यावरण संबंधी पहलू की जांच कराने हेतु निर्देश दिया है;

(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ज) उच्चतम न्यायालय के उपरोक्त निर्देशों के अनुपालन में अब तक क्या कार्रवाई की गयी है, यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है?

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद): (क) से (ङ) मंत्रालय में 1000 मेगावाट वाल कोनजेन्ट्रिक्स परियोजना पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन रिपोर्ट एवं प्रबंध योजनाओं के साथ जून, 1995 में प्राप्त हुई थी। इनकी मंत्रालय द्वारा गठित बहुआयामी विशेषज्ञ समिति द्वारा जांच की गई थी। पर्यावरण पहलुओं की जांच करने के बाद प्रस्ताव की पर्यावरण निकासी जून, 1996 में स्वीकृत की गई थी।

(च) से (ज) उच्चतम न्यायालय ने केरल में गोश्री परियोजना, कर्नाटक में कोनजेन्ट्रिक्स परियोजना, महाराष्ट्र में सिनारमास पल्प एवं पेपर परियोजना, महाराष्ट्र में बांद्रा-कुर्ला परियोजना तथा कच्छ में संघी जेट्टी/सीमेंट परियोजना नामक पांच परियोजनाओं की राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरी अनुसंधान संस्थान (नीरी) नागपुर के वैज्ञानिकों द्वारा मूल्यांकन कराने के निर्देश दिए है। नीरी ने अपने निष्कर्ष उच्चतम न्यायालय को प्रस्तुत कर दिए है।

Qualifications of coaches prescribed by Sports Authority of India

3104. **SHRI PARAG CHALIHA:** Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to refer to the reply to Unstarred Question 3218 given in the Rajya Sabha on 6th September, 1996 and state:

(a) the prescribed qualification and experience etc. for sports/games coaches as per Sports Authority of India;

(b) whether there are PETs in KVS who conform to these qualifications; and

(c) whether only such persons are appointed as sports/games coaches?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA): (a) The qualification of coaches as prescribed by the Sports Authority of India are as follows;

Essential: Diploma in coaching from Sports Authority of India/NIS Patiala or from any other recognised India/Foreign University

or

Participation in Olympic/Asian Games/ World Championship with Certificate Course in Coaching.

Desirable: B.P. Ed.

(b) and (c): There are some P.E.Ts. trained by SAI/NIS who are assigned the responsibility of coaching the students of Kendriya Vidyalayas in specific disciplines for specific period. But there is no post of Coach in Kendriya Vidyalaya Sangathan.

गुजरात में रेल-नेटवर्क रहित क्षेत्र

3105. **श्री चिमनभाई हरीभाई शुक्ला:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गुजरात में अब तक रेल-नेटवर्क से न जोड़े गए क्षेत्रों का अद्यतन ब्यौरा क्या है; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और रेल-नेटवर्क से वंचित ऐसे क्षेत्रों की कुल लंबाई क्या है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) गुजरात रेल जालतंत्र से भलिभांति सेवित है और अधिकांश महत्वपूर्ण शहर/बंदरगाह रेल द्वारा जुड़े हैं। बहरहाल, गुजरात के निम्नलिखित कस्बे रेल जालतंत्र से अभी तक नहीं जुड़े हैं:—

लखपत, कोटेश्वर, जाखु, अबादसा, नखतरन, मांडवी, मुंद्रा, जोडिया, बेदी, वाडिनार, सलाया, मंगरोल, जाफराबाद, पिपवाव, अलंग और मोडासा,

(ख) संसाधनों की तंगी एवं लाइनों का आमान परिवर्तन परिचालनिक प्राथमिकता के आधार पर अपेक्षित होने के कारण इन नगरों को रेल संपर्कों से नहीं जोड़ा जा सका.

रेल संपर्कों से वंचित क्षेत्रों के लिए लम्बाई के आकड़े संबंधी विवरण रेलों द्वारा नहीं रखा जाता है।

पशुधन की उपलब्धता

3106. श्री राम जेठमलानी: क्या पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में पशुधन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है;

(ख) यदि हां, तो पशुओं की संख्या की दृष्टि से भारत का विश्व में कौन सा स्थान है;

(ग) क्या यह सच है कि देश में पर्याप्त मात्रा में पशुधन उपलब्ध होने के बावजूद इससे बहुत कम आय अर्जित की जाती है क्योंकि इसकी दशा दयनीय है; और

(घ) यदि हां, तो पशुधन से प्राप्त आय कुल कृषि आय का औसतन कितना प्रतिशत है?

पशुपालन और डेयरी विभाग के राज्य मंत्री (डा० रघुवंश प्रसाद सिंह): (क) जी, हां।

(ख) खाद्य और कृषि संगठन की उत्पादन संबंधी वार्षिक पुस्तक—1994 के अनुसार मवेशी, भैंस, बकरी और भेड़ जैसे प्रमुख पशुधन प्रजातियों की कुल संख्या के संबंध में भारत का विश्व में पहला स्थान है।

(ग) पशुधन क्षेत्र से प्राप्त उत्पादन का मूल्य वर्तमान कीमतों पर 1980-81 में 106 बिलियन रूपये से बढ़कर 1994-95 में 797 मिलियन रुपये हो गया।

(घ) कृषि क्षेत्र से प्राप्त कुल मूल्य में पशुधन क्षेत्र से प्राप्त उत्पादन मूल्य का अंशदान लगभग 26 प्रतिशत है।

Plan schemes relating to animal husbandry sector during 8th Plan

3107. SHRIMATI JAYANTI PATNAIK: Will the Minister of ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING be pleased to state:

(a) whether Government are implementing some plan schemes in the animal husbandry sector during the 8th plan period;

(b) if so, the total outlay provided for implementing those schemes;

(c) the States where these schemes are being implemented; and

(d) the progress of these schemes and achievements, State-wise and Year-wise?

THE MINISTER OF STATE OF THE DEPARTMENT OF ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING (DR. RAGHUVANSH PRASAD SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) An outlay of Rs. 400 crores has been provided for implementation of central sector and centrally sponsored schemes in the animal husbandry sector during the 8th plan.

(c) The centrally sponsored schemes and central sector schemes viz., Animal Husbandry Extension Programme and Special Livestock Programme are being implemented in all States/UTs.

(d) The State-wise and Year-wise progress of the production of major livestock products viz., milk and egg, as a result of implementation of the schemes in animal husbandry sector is given in the enclosed statement-I & II.